मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू की उड़ान

चित्रकार
तृप्ति शर्मा
मुरादाबाद

मार्गदर्शक
राजकुमार शर्मा
चित्रकूट

रचनाकार
आयुषी अग्रवाल
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी तृप्ति की जुबानी

01

पढ़ो-पढ़ाओ

उठो, जागो अब हुआ सवेरा।
मिट्ठू ने आँखों को खोला।।

अब पढ़ने को जाना है।
सर्व शिक्षा को अपनाना है।।

झटपट पहने कपड़े लत्ते।
सबको कर फिर चला नमस्ते।।

बच्चों तुम जाओ स्कूल।
अनपढ़ रहकर करो न भूल।।

Ayushi

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

02

योग रखे निरोग

मिट्ठू फिर नई बात बताये।
योग रोग को दूर भगाये।।

निशदिन झट उठ करे व्यायाम।
तभी पाओगे नए आयाम।।

इसीलिए प्रातः उठ जाओ।
मिट्ठू संग सब मिलकर गाओ।।

मिट्ठू संग सब योग करेंगे।
उसकी बताई राह चलेंगे।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

03

पहेली की सहेली

मिट्ठू के संग बहन बड़ी।
पहेलियों की लगा दी उसने झड़ी।।

चौकी पर बैठी एक रानी।
सिर पर आग बदन में पानी।।

कूद-कूद कर मिट्ठू सोचे।
ऐसा क्या है मिट्ठू सोचे।।

झट उसको एक नाम सुझाया।
मोमबत्ती का नाम बतलाया।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी तृप्ति की जुबानी

04

प्रदूषण

इक दिन मिट्ठू छत पर बैठा।
गुस्से में वो सब पर ऐंठा।।

कूड़ा, प्लास्टिक लोग जलाएँ।
प्रदूषण का कारण बन जाएँ।।

फैलेगा हर ओर प्रदूषण।
मलिन बुद्धि तन होगा दूषण।।

आओ मिलकर कसम ये खायें।
प्रदूषण को दूर भगायें।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

05

वृक्षारोपण

फिर एक बात उसे सुझाई।
पेड़ क्यों न लगाते भाई।।

तब मिट्ठू ने पेड़ लगाया।
भाई के जैसा धर्म निभाया।।

दे समय पर दाना पानी।
देखभाल करने की ठानी।।

तुम मिट्ठू जैसे हो जाओ।
स्व धरा को हरा बनाओ।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी तृप्ति की जुबानी

06

समानता

भेदभाव जब देखे मिट्ठू।
चर्चा करे वो बनकर किट्टू।।

बेटा-बेटी एक समान।
दोनों को दो पूरा सम्मान।।

लड़के गर हैं घर की शान।
तो लड़की भी बाबुल का मान।।

आज मिलकर कदम रखो।
भेदभाव को खत्म करो।।

मिट्ठू की सुनकरके बात।
माँगी माफी जोड़के हाथ।।

Gupta

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

07

कोरोना

दुनिया में फैली है बीमारी।
मिट्ठू बरते सतर्कता भारी।।
हैंडवॉश वो घर पर लाया।
घर से बाहर नही वो आया।।
सोशल डिस्टेंसिङ्ग का पालन करता।
मास्क लगाकर बातें करता।।
मिट्ठू की बातें दोहराओ।
देश के खातिर घर रह जाओ।।

Ayushi

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

08

भविष्य

इतनी सी जब बात सुझाई।
मिट्ठू मियाँ की समझ में आई।।

मन ही मन वो लगा बतियाने।
धीरे-धीरे लगे हँसियाने।।

मैडम ने जब पूछी बात।
मुस्कुराए बोले मिट्ठू राम।।

Ayushi

मैं भी पढ़ना चाहता हूँ।
मैडम बनना चाहता हूँ।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी, तृप्ति की जुबानी

09

राष्ट्रीय त्यौहार

स्कूल से मिट्ठू सीख के आया।
राष्ट्रीय त्यौहारों का महत्व बताया।।

अनेक धर्म पर राष्ट्र है एक।
एक गाँठ में बंधे अनेक।।
स्वतंत्रता मिलकर मनायेंगे।
गणतंत्र पर मिलकर हम गायेंगे।।

मिट्ठू से सब सीख लो।
एकता से जंग जीत लो।।

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्ठू तोते की कहानी
आयुषी तृप्ति की जुबानी

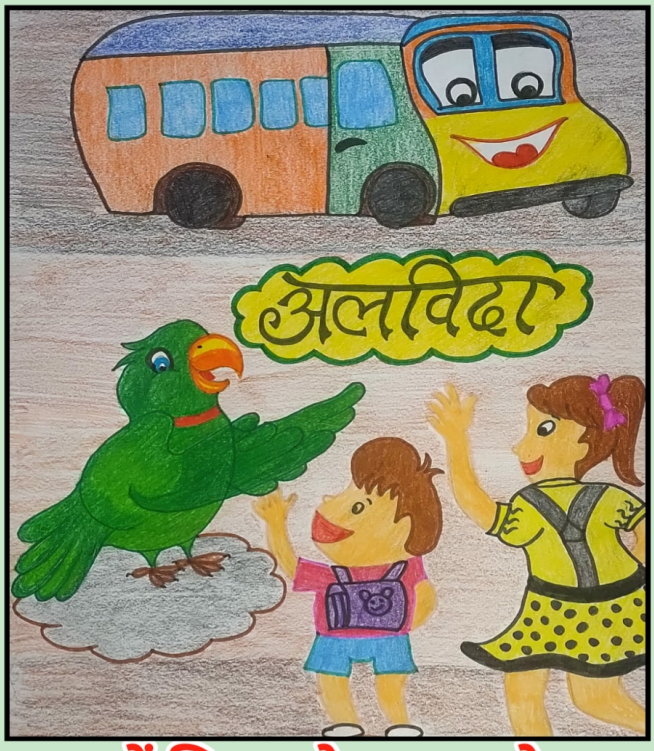

10

अलविदा

Ayushi

अन्त में मिट्ठू ये समझाये।
अच्छा आचरण मन को भाये।।

नेकी, कर्मठता, ईमानदारी।
ये सब बातें हैं समझदारी।।

एक बार पुनः हम आयेंगे।
मिट्ठू फिर से सिखलायेंगे।।

आज विदा फिर लेते हैं।
अन्त में अलविदा कहते हैं।।